

31-10-19

वकुलाय फरीकन उपस्थित। पत्रावली तनकी कायमी हेतु पेश हुई। तनकी कायमी के लिए पत्रावली का अवलोकन करने पर जाहिर हुआ है कि वाद पत्र में जमाबंदी के अनुसार आराजी का विवरण एवं पक्षकारों का संयोजन सही रूप से नहीं किया गया है। अधिवक्तापण को सुना गया।

पत्रावली पर उपलब्ध जमाबंदी स. 2074-77 के खाता संख्या 218 खसरा नं 373 के अनुसार सदा कंवर प्रत्विदिनी संख्या 1 का हिस्सा 4407/12575

अ

हैं. 17628 दर्ज है। दावे की मद संख्या 2 के अनुसार वादिनी एवं प्रतिवादिनी सं. 1 द्वारा वादिनी तथा प्रतिवादी सं 2 ता 1 के साथ दावे के दीगर पक्षकारों को भी आराजी के हस्तांतरण का निवरण अंकित है। वादी द्वारा यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किस पक्षकार का हिस्सा विभिन्न बेचानों से प्रभावशील होने के बाद कितना - कितना है एवं प्रत्येक पक्षकार का संभावित हिस्सा विचारित आराजी में कितना है? अतः स्पष्ट प्लीडिंग के अभाव में पक्षकारों के स्वत्वों का निर्धारण समुचित रूप से नहीं किया जा सकता है।

वादिनी द्वारा स्पष्ट किया गया है कि प्रतिवादिनी सं. 1 द्वारा धोरे सिंह को बेची हुई आराजी ही क्रय की गई है। प्रतिवादिनी सं. 1 द्वारा वादिनी तथा दीगर पक्षकारों को भी आराजी बेचान करना जाहिर हुआ है। इस प्रकार जाहिर होता है कि आराजी का विभिन्न पक्षकारों को बेचान हुआ है। एकमात्र खतेदार होने से क्रेतागण द्वारा क्रय की गई आराजी का एकमेव कब्जा प्राप्त कर लेने के कारण विचारित आराजी सहखतेदारी की आराजी किस प्रकार है। आराजी का निश्चित भू-भाग बेचान हुआ है न कि हिस्सा बेचान किया है जिसके विभाजन का वह कारण पैदा होना साबित हो। आराजी के निश्चित भूखण्ड का कब्जा हस्तांतरण होने के कारण विभाजन की आवश्यकता का स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है।

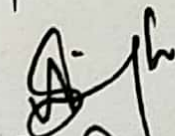
पत्रावली पर उपलब्ध विक्रय पत्र दिनांक 15/01/2018 के अनुसार सदाकंवर प्रतिवादिनी सं. 1 ने वादिनी को 2.10 हेक्टेयर में से 0.1462 हे. बेचान किया है जबकि जमावती में आराजी का क्षेत्रफल 1.7628 है।

(Handwritten mark)

सदा कंवर के खाते मे दर्ज है। पत्रावली पर विभिन्न विक्रय पत्र प्रस्तुत हुए हैं जिस्से लीडिंग से तारतम्य सम्यक विवरण के अभाव में नहीं हो रहा है।

अतः आदेश है कि दावा वादी स्पष्ट विवरण के अभाव में खारिज किया जाता है। बंटवारा के दावा में Cause of action निरन्तर जारी रहता है अतएव पक्षकार आराजी से संबंधित पक्षकारों के हिस्सों / दस्तावेज का पूर्ण विवरण स्पष्ट करते हुए आवश्यक समझा जाने पर नये सिरे से दावा पेश किया जावे। पर्चा डिफ्री जारी हो।

आदेश खुले न्यायालय मे 31-10-2019 को सुनाया गया।


निषु सिंह